

प्रेषक,

ओम प्रकाश,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान,
गोपेश्वर-चमोली।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग:-2

देहरादून: दिनांक: 7 जनवरी, 2013

विषय:-जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान, गोपेश्वर में ट्रेनिंग काम्प्लेक्स एवं हर्बरियम भवन निर्माण की पुनरीक्षित आगणन की वित्तीय/प्रशासकीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपाके पत्र संख्या-667/ज0बू0सं0/11-4/2012-13, दिनांक 26-07-2011 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि अधिशासी अभियन्ता मुख्यालय यमुना खण्ड निर्माण खण्ड द्वितीय देहरादून द्वारा जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान, चमोली के अन्तर्गत गोपेश्वर में ट्रेनिंग काम्प्लेक्स एवं हर्बरियम भवन के निर्माण हेतु शासनादेश संख्या-73/XVI-2/12/7(37)/2010, दिनांक 20 मार्च, 2012 द्वारा ₹60.78 लाख के आगणन की वित्तीय/प्रशासकीय स्वीकृति निर्गत की गई थी। प्रश्नगत निर्माणाधीन कार्य हेतु पुनरीक्षित आगणन ₹74.66 लाख के सापेक्ष सम्यक परीक्षणोपरान्त संस्तुत ₹74.43 लाख (चौहत्तर लाख तैतालीस हजार मात्र) की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (2) कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगी।
- (3) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
- (4) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- (5) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लायी जाए।
- (6) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30-05-2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- (7) आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड प्रक्योरमेन्ट नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
- (8) योजनावार स्वीकृत धनराशि का व्यय सम्बन्धित योजना के संगत दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही की जायेगी। किसी भी दशा में संगत दिशा-निर्देशों से इतर कार्यवाही नहीं की जायेगी।

- (9) वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के आदेश संख्या-321/XXVII(1)/2012, दिनांक 19 जून, 2012 दिनांक-19 मार्च, 2012, में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- (10) इस सम्बन्ध में ट्रेनिंग काम्लेक्स एवं हर्बरियम हेतु होने वाला व्यय संस्थान द्वारा प्राप्त ब्याज की धनराशि में से वहन किया जाएगा।
- (11) यह आदेश वित्त विभाग के शा0पत्र संख्या-321/XXVII(1)/2012, दिनांक 19 जून, 2012 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(ओम प्रकाश)

प्रमुख सचिव।

संख्या-⁶⁸⁶(1)/XVI/12/7(37)/10, तददिनांक:

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 3- निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उत्तराखण्ड, उद्यान भवन, चौबटिया
- 4- मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राज्य औषधीय पादप बोर्ड, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 5- जिलाधिकारी, गोपेश्वर, चमोली उत्तराखण्ड।
- 6- मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, गोपेश्वर-चमोली।
- 7- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8- अधिशासी अभियन्ता, मुख्यालय यमुना खण्ड निर्माण खण्ड द्वितीय देहरादून।
- 9- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
- 10- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(कवीन्द्र सिंह)

अनु सचिव।